>

Title: Need to include Bhojpuri language in the Eighth Schedule to the Constitution.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बहुत ही महत्वपूर्ण अविलम्बनीय लोक महत्व के प्रश्न पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। केवल पूरे देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लगभग 25 करोड़ जो आवाम है, जनता है, वह भोजपुरी भाषा बोलती है। भोजपुरी भाषा खासकर बिहार से लेकर पूरे पूर्वांचल तक, देश के हर कोने में तथा विदेशों में भी बोली जाती है। यह भाषा उनकी संस्कृति और सभ्यता भावनाओं से जुड़ी हुई है। लेकिन आज भोजपुरी भाषा बेजुबान बनकर रह गई है। वर्षों से मैं देख रहा हूं, मेरा लोक सभा में यह तीसरा टर्म है। पिछली लोक सभा में श्री प्रभुनाथ सिंह जी ने यह सवाल उठाया था, तब माननीय मंत्री जी की तरफ से यह जवाब भी आया था कि संविधान की आठवीं अनुसूची में भोजपुरी भाषा को शामिल किया जायेगा और जो भी सुविधाएं अन्य भाषाओं को दी जाती हैं, वे सुविधाएं भी दी जायेंगी। परंतु यह दुर्भाग्य है कि पिछली लोक सभा से लेकर अब तक मेरे ख्याल से नियम 377 के अधीन मामलों में, जीरो ऑवर तथा अन्य अवसरों पर भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने के लिए आवाज उठी है। आज आपने समाचार पत्रों में भी देखा होगा, प्रमुखता से इसके बारे में छपा है। खासकर आपने दिल्ली में देखा होगा कि भोजपुरी भाषा को संविधान की आठवी अनुसूची में शामिल करने के लिए बड़ा जबरदस्त प्रदर्शन हुआ है। इसके बारे में टीवी में भी आया है।

सभापति महोदय, मैं आपसे मांग करना चाहता हूं कि यह बहुत महत्वपूर्ण विषय है.। यह 25 करोड़ लोगों की भावनाओं से जुड़ी हुई भाषा है। आज इसके चैनल शुरू हो गये हैं, इसके गीत, संगीत और पिक्चर्स बनने लगी हैं।

सभापति महोदय : वह महुआ चैनल है। आजकल श्री शत्रुघ्न सिन्हा जी 'कौन बनेगा करोड़पति' भोजपुरी में कर रहे हैं।

श्री शैलेन्द्र कुमार : जी हां, यह भोजपुरी में आ रहा है, उसे श्री शत्रुघ्न सिन्हा जी पेश कर रहे हैं। सभापति जी, आपने पीठ से भी इंगित किया है और एक तरीके से आपने इस पर बल दिया है। मैं आपका आभारी हूं, आप भी वहीं से आते हैं। मैं चाहूंगा कि संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं, वह इस पर कोई आश्वासन दें।

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): हम भोजपुरी भाषा का बहुत सम्मान करते हैं और करोड़ों-करोड़ों भारतवासी ही नहीं बल्कि दुनिया भर में इसके बोलने वाले बहुत लोग हैं। इस भाषा का साहित्य बहुत समृद्ध है। मैं माननीय सदस्य की भावना और सदन की भावना को गृह मंत्री के सामने प्रस्तुत कर दूंगा।

सभापति महोदय : श्री अर्जुन राम मेघवाल तथा डा.राजन सुशान्त अपने आपको इस विषय से सम्बद्ध करते हैं।